NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 9

Chapter Name : साखियां एवं सबद

Q1 'मानसरोवर' से कवि का क्या आशय है?

Answer.कबीरदास जी का 'मानसरोवर' से तात्पर्य 'पवित्र मन' से है। वह हृदय रूपी तालाब जो हमारे मन में स्थित है।

Page : 93 , Block Name : साखियाँ

Q2 कवि ने सच्चे प्रेमी की क्या कसौटी बताई है?

Answer.कवि के अनुसार सच्चे प्रेम की कसौटी वह है जिसकी प्राप्ति होने पर सारा विश अमृत में बदल जाता है अर्थात मनुष्य के अंदर की कुरीतियां, कमियां, दोष आदि प्रेम की प्राप्ति होने पर मिट जाती है। प्रेम की प्राप्ति होने पर मनुष्य की सारी बुरी भावनाएं खत्म हो जाती हैं।

Page : 93 , Block Name : साखियाँ

Q3 तीसरे दोहे में कवि ने किस प्रकार से ज्ञान को महत्व दिया है?

Answer.तीसरे दोहे में कवि ने ज्ञान को महत्व दिया है। उसके अनुसार जो ज्ञान मनुष्य को अनुभव से प्राप्त होता है वह सर्वोपरि है। कवि के अनुसार मनुष्य अपने अच्छे और बुरे अनुभवों से सच्चे ज्ञान की प्राप्ति करता है।

Page : 93 , Block Name : साखियाँ

Q4 इस संसार में सच्चा संत कौन कहलाता है?

Answer.कवि के अनुसार सच्चा संत वह होता है जो संसार की बाह्य आकर्षण से परे हटकर प्रभु की भक्ति में लीन रहता है। सच्चा भक्त भेदभाव तथा ऊंच-नीच की भावनाओं से परे होता है।

Page : 93 , Block Name : साखियाँ

Q5 अंतिम दो दोहों के माध्यम से कबीर ने किस तरह की संकीर्णताओं की ओर संकेत किया है?

Answer.कबीर दास जी के अंतिम के दो दोहों के माध्यम से उन्होंने मनुष्य के अपने अपने मतो को सर्वोपरि रखने की और उनको ही उत्तम मानने की संकीर्णता के ऊपर ज़ोर डाला है। मनुष्य का दूसरों के धर्म की निन्दा करना तथा उसका सम्मान ना करने की संकीर्णता की ओर संकेत दिया है। ऊंचे कुल के लोगों के अहंकार को कवि ने उभारा है।

Page : 93 , Block Name : साखियाँ

Q6 किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

Answer.किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होती है ना कि उसके कुल से। ऊंचे कुल में जन्म लेने से कोई अच्छा व्यक्ति नहीं बन जाता। मनुष्य के कर्म ही उसकी पहचान बनाता है। मुंशी प्रेमचन्द जी इसका एक सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं। उनके कर्मों ने ही उनको एक अच्छा मनुष्य साबित किया ना कि उनके कुल के नाम ने।

Page : 93 , Block Name : साखियाँ

Q7 काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए:

हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।

स्वान रूप संसार है, भूँकन दे झख मारि।

Answer.प्रस्तुत काव्यांश संत कबीर दास जी के द्वारा रचित है जिसका अर्थ है कि ज्ञान की प्राप्ति करने वाला हाथी पर चला जा रहा है और संसार रूपी कुत्ते अर्थात आलोचना करने वाले भौंक-भौंककर शांत हो जाते हैं।

कवि ने अलंकारों का बहुत ही सुंदर प्रयोग किया है तथा इसकी भाषा सरल है ।दोहा छंद का प्रयोग किया गया है।

Page : 93 , Block Name : साखियाँ

Q8 मनुष्य ईश्वर को कहाँ कहाँ ढूँढ़ता फिरता है?

Answer.मनुष्य ईश्वर को मंदिर, देवालय, मस्जिद, काबा तथा कैलाश में, योग वैराग्य तथा अन्य क्रियाओं में ढूंढता करता है।

Page : 93 , Block Name : शबद

Q9 कबीर ने ईश्वर प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है?

Answer.कबीर दास जी ने ईश्वर की प्राप्ति के लिए कई विश्वासों का खंडन किया है। उनके अनुसार मनुष्य मंदिर, मस्जिद में पूजा अर्चना करके, नमाज पढ़कर ईश्वर को प्राप्त करना चाहता है परंतु इससे ईश्वर की प्राप्ति नहीं होती है। ईश्वर की खोज के लिए मनुष्य विभिन्न धार्मिक स्थानों तथा देवालयों यात्रा करता है। संत कबीर दास जी ने यथार्थ का खंडन किया है। उनके अनुसार जो मनुष्य दिखावटी तथा आडंबर भक्ति करने में विश्वास रखता है उसे ईश्वर की प्राप्ति कभी हो ही नहीं सकती। मनुष्य योग वैराग्य जैसी क्रियाएं करके ईश्वर को पाना चाहता है पर उसका कोई मोल नहीं है। अतः संत कबीर दास जी ने इन्हीं प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है।

Page : 93 , Block Name : शबद

aglasem.com

Q10 कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' क्यों कहा है?

Answer.कबीर दास जी ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' कहा है क्योंकि ईश्वर जगत में व्याप्त प्रत्येक कण में समाया हुआ है अर्थात हर जगह हर प्राणी में विराजमान है।

Page : 93 , Block Name : शबद

Q11 कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न कर आँधी से क्यों की?

Answer.सामान्य हवा धीरे-धीरे चलती है तथा अपने आसपास की वस्तुओं को प्रभावित नहीं कर पाती है। यही कारण है कि कबीर दास जी ने ज्ञान की तुलना सामान्य हवा से ना करके आंधी से की है क्योंकि आंधी तेज गति से आती है तथा परिवर्तन करती है। आंधी के तेज गति से आने से कूड़ा-करकट, पत्तियां, घास-फूस एवं अन्य छोटी वस्तुएं उड़कर दूर चली जाती हैं। इसी प्रकार ज्ञान की आंधी आने से मनुष्य के मन पर पड़ा अज्ञान का पर्दा उड़ जाता है तथा मनुष्य को असली ज्ञान प्राप्त हो जाता है। ज्ञान की आंधी मनुष्य के अंदर व्याप्त दूषित भावनाओं को नष्ट कर देती है जिससे मनुष्य का मन सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर प्रभु की भक्ति में लीन हो जाता है।

Page : 93 , Block Name : शबद

Q12 ज्ञान की आँधी का भक्त के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

Answer.संत कबीर दास जी के अनुसार ज्ञान की आंधी के आने पर भक्तों के मन के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं तथा उसके सारे भ्रम दूर हो जाते हैं। ब माया स्वार्थ धन आदि विकार से निहित हो जाता है। अतः इसके उपरांत वह शुद्ध मन से भक्ति और प्रेम की वर्षा में लीन हो जाता है जिसके कारण उसके जीवन में आनंद ही आनंद छा जाता है।

Page : 93 , Block Name : शबद

Q13 भाव स्पष्ट कीजिए:

(1) हिति चित्त की वै बूंगी गीराँनी, मोह बलिंडा तूटा।
(2) आंधी पीछे जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींनाँ।

Answer.

(क) प्रस्तुत पंक्ति में कबीर दास जी ने ज्ञान की आंधी के कारण आने वाले अंतर की बात की है। ज्ञान की आंधी के कारण मनुष्य के मन के दो स्तंभ स्वार्थ तथा मोह गिर कर समाप्त हो गए हैं मोह रूपी बिल्ली भी नीचे गिर गई है जिस वजह से कामना रूपी छत भी नीचे ढल गया है और इन सब से उसका चित्त शांत तथा निर्मल हो गया है।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति में ज्ञान की आंधी के बाद की मन की स्थिति का वर्णन किया गया है। ज्ञान की आंधी आने के उपरांत मन ईश्वर की भक्ति में लीन हो जाता है। ईश्वर की साधना के उपरांत मनुष्य का मन ज्ञान की वर्षा के कारण प्रेम रूपी जल से भीग जाता है और वह आनंदित हो जाता है। अतः ज्ञान की

प्राप्ति के बाद उसका मन शुद्ध तथा साफ हो जाता है। यह ज्ञान प्राप्त करने से मनुष्य को ईश्वर की प्राप्ति होती है।

Page : 93 , Block Name : शबद

Q14 संकलित साखियों और पदों के आधार पर कबीर के धार्मिक और सांप्रदायिक सद्भाव संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिये।

Answer.विद्यार्थी स्वयं करें।

Page : 93 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q15 निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए-

पखापखी, अनत, जोग, जुगति, बैराग, निरपख

Answer.पखापखी - पक्ष विपक्ष

अनत - अन्यत्र

जोग - योग

जुगति - युक्ति

बैराग - वैराग्य

निरपख - निष्पक्ष

Page : 93 , Block Name : भाषा-अध्ययन

aglasem.com